एचएलएल

# समन्वया

अंक - 26, मार्च 2018

क्रांतिकारी बदलाव के साथ शी-पैड परियोजना

आम जनता को राहत देते हुए हिन्दुस्तान लैटेक्स परिवार नियोजन प्रोन्नमन न्यास

गोल्ड

# मूड्स

कण्डोम

एचएलएल
# समन्वया
अंक 26, मार्च 2018

## विषय-सूची

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की कलम से.....5
पाठकों की ओर से .....6
संपादकीय.....7
एचएलएल क्लिनिक.....8
वेंडिगो - लक्ष्य से परे आगे बढते हुए .....9
उत्तर प्रदेश के जिला अस्पतालों में एचएलएल की सी टी स्कान सुविधा.....12
क्रांतिकारी बदलाव के साथ शी-पैड परियोजना.....14
आम जनता को राहत देते हुए हिन्दुस्तान लैटेक्स परिवार नियोजन प्रोन्नमन न्यास.....18
एचएलएल - राजभाषा कार्यान्वयन में प्रतिबद्ध.....20
सर्जनशीलता.....24
ताज़ा खबर.....26
हिंदी पाठ.....32
कोर्सों के नाम हिंदी में.....34
पुरस्कार वितरण.....37

**संपादक मंडल**

**संरक्षक** डॉ आर.के वत्स आईएएस, अध्यक्ष एवं प्रबंधक निदेशक, **संपादक** श्री पी. श्रीकुमार, कंपनी सचिव एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष (सी ए एस), **सहायक** डॉ.एस.एम.उण्णिकृष्णन सह उपाध्यक्ष (एस पी & सी सी), श्रीमती सुधा गोपिनाथ, प्रबंधक (कॉर्पोरेट संचार), डॉ.वी. के.जयश्री, उप महा प्रबंधक (हिंदी), डॉ. सुरेष कुमार. आर , उप प्रबंधक (राजभाषा)

**डिजाइनिंग** श्री श्रीजित.एस.एल, (कॉर्पोरेट संचार), **डिजाइनिंग समन्वयक** अनुश्री.एम

**संपादकीय सहायक** शालिनी.एस.एस, मीना.एम.वी, लीना.एल, लक्ष्मी सुदर्शन

**मुद्रक** अक्षरा ऑफसेट प्रिंटेर्स, तिरुवनंतपुरम।

समन्वया में प्रकाशित लेखों में निहित विचार लेखकों के अपने हैं, इससे एचएलएल लाइफ़केयर का कोई संबंध नहीं है।

एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड, निगमित एवं पंजीकृत कार्यालय, पूजप्पुरा, तिरुवनंतपुरम - 695 012, केरल, दूरभाष: 2354949
**वेब:** www.lifecarehll.com **फैक्स:** 0471-2358890
अंक 26, मार्च 2018
**संपादित एवं प्रकाशित:** हिंदी विभाग, तैयारकर्ता - कॉर्पोरेट संचार विभाग, एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड (केवल मुफ्त परिचालनार्थ)

# सिल्वर मूड्स कण्डोम

## लॉचिंग सिल्वर मूड्स कंडोम

www.moodsplanet.com /moodscondoms

# अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की कलम से

**'अपना लक्ष्य एवं उसके राह को पहचानते हुए आगे बढना और सफलता प्राप्त करने यानी अपने सपनों को साकार करने तक अडिग कोशिश करना। '**

एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड, जन सेवा पर पच्चास वर्ष की विरासत वाली कंपनी, परिवार नियोजन एवं आम जनता की स्वास्थ्यरक्षा पर प्रमुखता देते हुए प्रत्येक नागरिक की चिकित्सा के लिए आवश्यक दवाओं एवं नैदानिक जाँचों की गुणवत्ता वाली सेवायें किफायती मूल्य पर प्रदान करने के साथ ही जन कल्याणकारी नवाचार परियोजनाओं एवं उत्पादों से पूरे भारतवासियों को सांत्वना देते हुए अपने लक्ष्य तक पहूँचने एवं सपनों को साकार करने में कामयाब बन गयी है। इसका स्पष्ट प्रमाण हैं - एचएलएल के अधीन प्रारंभित एचएलएल मेडीपार्क लिमिटेड, अमृत फार्मेसी, मातृ & शिशुरक्षा अस्पताल, हिंदलैब्स एमआरआई & सीटी स्कान सुविधा, हिंदलैब्स डायग्नोस्टिक केंद्र, लाइफस्प्रिंग अस्पताल (मातृ शिशु अस्पताल), लाइफकेयर केंद्र, एम आर आई स्कान केंद्र, कंपनी की छह फैक्टरियाँ (पेरूरकडा, आक्कुलम, कनगला, काक्कनाड, ऐरापुरम एवं मनेसर), चार समनुषंगी कंपनियाँ (एचबीएल, जीएपीएल, हाइट्स, एचएमएल), एचएलएल निगमित अनुसंधान एवं विकास केंद्र और भारत तथा विदेश राष्ट्रों तक फैले विस्तृत विपणन नेटवर्क। यह मात्र नहीं, कंपनी के कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी कार्यक्रमों के सुचारू संचालन के लिए संस्थापित हिंदुस्तान लैटेक्स परिवार नियोजन प्रोन्नमन न्यास (एचएलएफपीपीटी) के अधीन समय - समय पर मेडिकल चेकअप कैंप आयोजित करते हुए आम जनता को बीमारियों के प्रति अवगत कराने की सुदृढ योजना भी लागू की गयी है। वास्तव में ये सब, एकल कंडोम से प्रारंभित एचएलएल के उत्तरोत्तर विकास के मीलपत्थर ही हैं। एचएलएल के इस प्रयाण में कंपनी के हर कर्मचारी की अहम भूमिका है क्योंकि यह जीत कर्मचारियों के निष्ठापूर्ण सहयोग एवं टीमवर्क का परिणाम है और आगे हम एक उज्ज्वल भविष्य की राह जोहते हैं।

यह एकदम विचारणीय कार्य है कि एचएलएल केंद्र सरकारी कंपनी मात्र नहीं ग्राहक सेवा पर आधारित कंपनी होने के नाते अपने स्वास्थ्यरक्षा उत्पादों की समग्र जानकारी ग्राहकों की भाषा में देना अत्यंत आवश्यक है। इस दृष्टि से, हम एचएलएल में राजभाषा नीति के प्रोन्नमन एवं उसे अमल करने के कार्य पर ज़ोर देते हुए, कंपनी के सभी स्तर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता प्रदान करने एवं उन्हें अपना शासकीय कार्य हिंदी में भी करने को प्रेरित करने के लिए यूनिटवार बोलचाल हिंदी क्लास, हिंदी फोरम बैठक, हिंदी प्रशिक्षण, हिंदी स्मरण परीक्षा आदि समयोचित तरीके से आयोजित करते हैं।

इस के अलावा, हम, कंपनी में राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित करने की ओर, विद्यमान साल में तिरुवनंतपुरम के कॉलेज अध्यापकों के लिए राजभाषा तकनीकी सेमिनार, कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम जैसे नवाचार हिंदी कार्यकलापों को आयोजित करने के साथ - साथ हिंदी पखवाडा समारोह के दौरान कंपनी के कर्मचारियों एवं उनके बच्चों के लिए हिंदी प्रतियोगितायें, विभिन्न स्तर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए राजभाषा प्रशिक्षण, हिंदी मेला, हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, विभिन्न यूनिटों का राजभाषा निरीक्षण आदि कार्यक्रम आयोजित करने में सक्षम बन गये। बाद में, निगमित मुख्यालय सहित कंपनी के अन्य यूनिटों में विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। यह भी नहीं, करकुलम पंचायत के चार स्कूलों के बच्चों के लिए विविध हिंदी प्रतियोगितायें चलाने के साथ ही महीने में दो दिन हिंदी व्याकरण/बोलचाल हिंदी क्लास भी चलाये गये, जिससे हमारा लक्ष्य है स्कूल के बच्चों के मन में हिंदी भाषा के प्रति लगाव पैदा करना।

यहाँ उल्लेखनीय है, इस प्रकार वैविद्यपूर्ण हिंदी कार्यकलापों के कार्यान्वयन से राजभाषा निष्पादन में प्रथम स्थान कायम रखे एचएलएल को लगातार पिछले छब्बीस सालों से नराकास राजभाषा निष्पादन पुरस्कार और नराकास राजभाषा पत्रिका पुरस्कार भी मिल रहा है। सच है, एचएलएल की भूमिका यहाँ तक सीमित नहीं, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) के नेतृत्व में विभिन्न राजभाषा कार्यकलाप सक्रिय रूप से ऐन वक्त पर आयोजित करने में कामयाब बन जाने के परिणामस्वरूप राजभाषा हिंदी के उत्कृष्ट निष्पादन के लिए केंद्र गृह मंत्रालय द्वारा संस्थापित क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार (तीसरा स्थान) के लिए लगातार दूसरी बार तिरुवनंतपुरम नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) हकदार बन गयी।

दरअसल, हम, कंपनी के सभी कार्यक्रमों एवं परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी अपनी राजभाषा पत्रिका 'समन्वया' के विशाल पटल के ज़रिए आम लोगों को प्रेषित करते हैं। मैं अतीव खुशी के साथ कंपनी की राजभाषा पत्रिका 'समन्वया' के छब्बीसवाँ अंक आपके सामने प्रस्तुत करते हैं। मेरी कामना है कि इस पत्रिका के आगामी अंकों को और भी आकर्षक एवं ज्ञानवर्द्धक बनाने की ओर आप अपने बहुमूल्य सुझावों एवं प्रतिक्रियाओं से हमें समय पर ही अवगत करा देंगे।

हर्दिक शुभकामनाओं के साथ।

**डॉ.आर.के.वत्स आई ए एस**
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

# पाठकों की ओर से

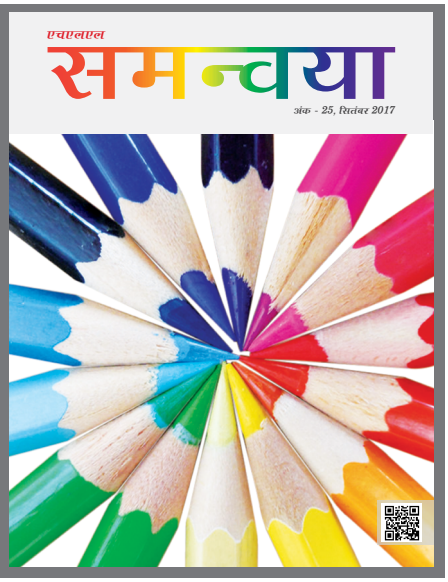


सत्यमेव जयते

आपके कार्यालय की राजभाषा पत्रिका 'समन्वया' के 25वें अंक की प्राप्ति हुई । अतः आभार स्वाकीर करें । पत्रिका में समाहित सभी रचनाएं पठनीय, ज्ञानवर्धक एवं मनोरंजक है । पत्रिका में समाहरित रचनाओं को व्यवस्थित तरीके से पेश किया गया है एवं इसकी मुद्रण एवं साज-सज्जा भी अत्यधिक प्रशंसनीय है । सभी रचनाकारों एवं इस पत्रिका के संपादक मंडल को पत्रिका के श्रेष्ठ प्रकाशन के लिए बधाई और पत्रिका के बहुमुखी विकास एवं उज्जवल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

भवदीया

हिंदी अधिकारी
महालेखाकार (ले व ह) का कार्यालय, केरल, तिरुवनंतपुरम

कोचिन पोर्ट ट्रस्ट
COCHIN PORT TRUST

राजभाषा पत्रिका 'समन्वया' के पच्चीसवें अंक की एक प्रति सहर्ष स्वीकार करते हैं । आपके गृह पत्रिका का मुखपृष्ठ, इसकी साज-सज्जा अत्यंत आकर्षक एवं सुंदर लगता है । राजभाषा कार्यान्वयन के लिए आपके कार्यालय द्वारा किए गए प्रयास प्रशंसनीय है । प्रकाशित सभी सामग्री ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायी है । संपादक मंडल को कोचिन पोर्ट ट्रस्ट की ओर से शुभकामनाएं ।

भवदीया

सहायक सचिव ग्रेड 1(राजभाषा)
कोच्चिन पोर्ट ट्रस्ट

भारतीय सर्वेक्षण विभाग
SURVEY OF INDIA
1767

आपके कार्यालय की हिंदी पत्रिका 'समन्वया' का अंक - 25 प्राप्त हुआ, धन्यवाद । समन्वया पत्रिका का प्रकाशन राजभाषा के उन्नयन तथा लाइफ़केयर के लिए किया जा रहा सराहनीय प्रयास है । पत्रिका में प्रकाशित सभी रचनाएं सारगर्भित एवं रोचक हैं इनमें 21वीं सदी में मानव के अंगदान की आवश्यकता और सामाजिक जागरूकता, अनुवाद और भाषाविज्ञान का अंतः संबंध, क्लीन सिटी का उत्तम सबूत आदि ज्ञानवर्धक हैं । साथ ही हिंदी संबंधी गतिविधियाँ पत्रिका के उद्देश्य को सफल बनाती हैं । आगामी अंक में कुछ कविताओं को भी स्थान दिया जाए तो पत्रिका की गरिमा और बढ़ेंगी। पत्रिका के प्रस्तुतीकरण के लिए प्रकाशन से जुड़े समस्त कार्मिकों को हार्दिक बधाई एवं आगामी अंक के सफल प्रकाशन हेतु शुभकामनाएं ।

भवदीय

(धूम सिंह)
सहायक निदेशक (रा.भा.) एवं
सदस्य सचिव, नराकास,
कृते भारत के महासर्वेक्षक एवं
अध्यक्ष नराकास (कार्यालय-1), देहरादून

# संपादकीय

जाहिर है, हिंदी भाषा का कलेवर इतना विशाल है, जिसमें विभिन्न संस्कृतियों, भाषाओं, संप्रदायों एवं संस्कारों से संपन्न भारतीयों को आपस में मिलाने की अपार ऊर्जा है। आगे भारत की संविधान सभा द्वारा राजभाषा का मान्यता प्राप्त हिंदी भाषा का क्रमिक संवर्धन करना हमारी आवश्यकता मात्र नहीं जिम्मेदारी भी है। इस सिलसिले में एचएलएल, राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन में उत्तरोत्तर विकास लाने की ओर पहले के समान इस साल में भी कंपनी के कर्मचारियों के अतिरिक्त तिरुवनंतपुरम के विभिन्न स्कूलों एवं कॉलेजों के विद्यार्थियों के मन में हिंदी भाषा के प्रति विशेष लगाव पैदा करने के लिए वैविद्यपूर्ण हिंदी कार्यक्रम आयोजित करते हुए संविधान के प्रति अपनी ज़िम्मेदारियों का पूर्णतः निर्वहन करने में सक्षम बन गये।

आम लोगों के लिए उपयोगी स्वास्थ्यरक्षा सेवाओं एवं उत्पादों के विनिर्माण तथा विपणन में संकेंद्रित एचएलएल को अपनी परियोजनाओं की जानकारी भारत के शहरों एवं ग्रामों के जनमानस तक पहूँचाना ज़रूरी है, जिस में जन - मन की भाषा यानी हिंदी भाषा का भी एक अहम भूमिका है, क्योंकि हिंदी बहुभाषा - भाषी लोगों को भी समझने वाली भाषा अर्थात् सर्वग्राह्य भाषा है। अतः इस बात पर ज़ोर देते हुए केंद्र सरकारी कंपनी होने के नाते कंपनी में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन की आवश्यकता पर विचार करते हुए, हम हर साल नवाचार हिंदी कार्यक्रम आयोजित करने में ध्यान देते हैं। इस क्रम में, प्रचलित वर्ष में, हम राजभाषा कार्यशाला, हिंदी करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम, राजभाषा संगोष्ठी, राजभाषा तकनीकी सेमिनार, हिंदी प्रतियोगिता, हिंदी मेला जैसे विविध कार्यकलाप आयोजित कर सके। इसके अलावा, कंपनी के कर्मचारियों को हिंदी में कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कराने की ओर केंद्र गृह मंत्रालय द्वारा चलायी गयी हिंदी परीक्षाओं में भी भर्ती करायी गयी।

राजभाषा कार्यान्वयन में कंपनी का और एक मीलपत्थर है हमारी राजभाषा पत्रिका 'समन्वया', जिसके ज़रिए हम, कंपनी की नयी परियोजनाओं, सेवाओं तथा उत्पादों की सही जानकारी का चित्रण देने के साथ - साथ कंपनी के कर्मचारियों एवं उनके बच्चों द्वारा हिंदी में लिखित रचनाओं को प्रकाशित करने में भी अत्यंत प्रमुखता देते हैं।

मैं, अतीव प्रसन्नता के साथ कंपनी की राजभाषा पत्रिका 'समन्वया' के छब्बीसवाँ अंक आपके सामने पेश करना चाहता हूँ। सभी पाठकों से मेरी कामना है, इस पत्रिका के आगामी अंक अधिक मनमोहक एवं ज्ञानवर्द्धक बनाने के लिए अपने बहुमूल्य सुझाव एवं मार्गदर्शन से हमें अनुग्रहीत करने की कृपा करें।

**पी. श्रीकुमार**
कंपनी सचिव एवं वरिष्ठ
उपाध्यक्ष (सी ए एस)

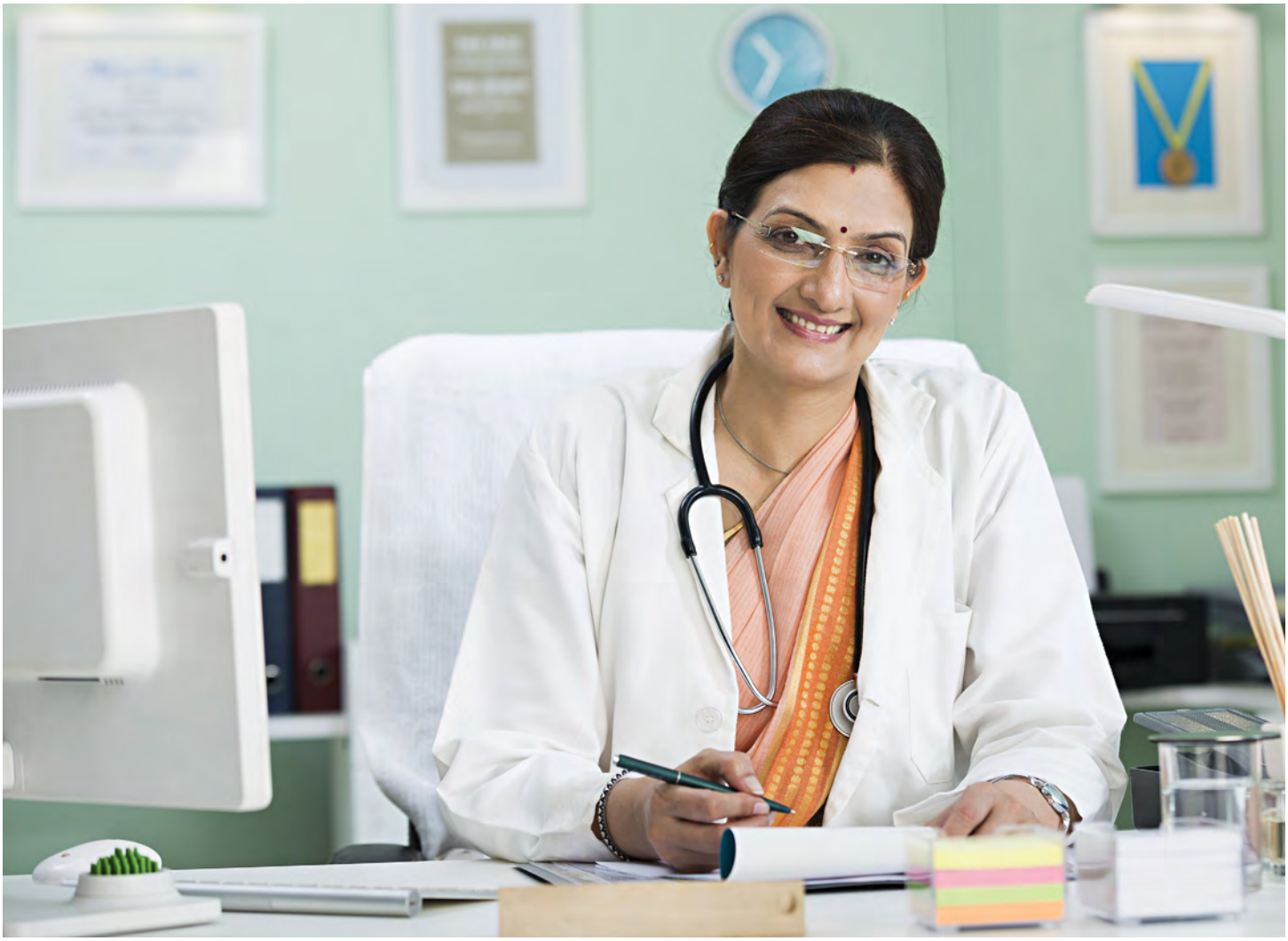

# एचएलएल क्लिनिक

एचएलएल ने तिरुवनंतपुरम जिले के लोगों के लिए किफायती लागत पर उच्च गुणवत्ता वाली बहिरंग रोगी स्वास्थ्यरक्षा लाने के लिए हिंदलैब्स डायग्नोस्टिक केंद्र में एचएलएल क्लिनिक लॉच किया। सार्वजनिक उपक्रम में पहली बार, एक छात्ते के नीचे कई सूपर स्पेश्यालिटी ओ पी सेवाएँ कार्यकर रही हैं। सरकारी मेडिकल कॉलेज के सामने ट्रिडा सोपानम कॉम्प्लेक्स में स्थित एचएलएल क्लिनिक प्रातः 9 बजे से मध्याह्न 1 बजे तक और अपराह्न 4 बजे बजे से रात 8 बजे तक दो पारियों में कार्य कर रहा है। सूपर स्पेश्यालिटी वेंचर में जनरल मेडिसिन, डायबेटोलॉजी, ईएनटी, ऑर्थोपेडिक्स, गायनोकोलॉजी और फर्टिलिटी, पल्मोनोलॉजी, कार्डियोलॉजी, पीडिआट्रिक और थायराइड की सेवायें उपलब्ध हैं। एचएलएल क्लिनिक विभिन्न अवसरों के दौरान नियमित रूप में निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर आयोजित कर रहा है। इन में विश्व मधुमेह दिवस शिविर, कार्डियोलॉजी कैंप, थायराइड कैंप और गैस्टओएन्ट्रोलॉजी कैंप शामिल हैं। वरिष्ठ डॉक्टरों के नेतृत्व में आयोजित इन शिविरों से अनेक मरीजों को फायदा मिला। हिंदलैब्स, 24 घंटे की लैब सेवाएं प्राइवेट लैबों की तुलना में 30-60 प्रतिशत कम दर में उपलब्ध की जाती हैं। यहाँ वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य जाँच,जनरल स्वास्थ्य जांच और शिशु स्वास्थ्य जाँच परीक्षण पैकेज भी उपलब्ध हैं। लैब जाँच का परिणाम ग्राहकों की सुविधा के लिए ऑनलाइन में उपलब्ध कराया जाता है। बुकिंग के लिए कृपया 0471 - 2443446 पर कॉल करें।

# वेंडिगो - लक्ष्य से परे आगे बढते हुए

एम सी एच, तिरुवनंतपुरम के कैंपस में 12 मशीनों का संस्थापन। वेंडिगो, बटन दबाने से दिन - रात सैनिटरी नैपकिन प्राप्त होने का एचएलएल का एक नया पहल, के अभी तक भारत भर में संस्थापित 6161 मशीनें लक्ष्य से आगे बढ रहे हैं। यह अत्याधुनिक पूर्णरूप से स्वचालित वेंडिंग मशीन है, जिसमें रु.10/-के सिक्का डालने पर हैप्पी डेइस सैनिटरी नैपकिन (तीन पैड का पैक) मिलता है। हाल के विकास में सरकारी मेडिकल कॉलेज, तिरुवनंतपुरम, कैंपस में वेंडिगो का संस्थापन करके तिरुवनंतपुरम निगम और एचएलएल के महिला अनुकूल शहर परियोजना का भागीदार बन गया है। अस्पताल कैंपस, श्री अविट्टमतिरुनाल अस्पताल (एसएटी) और कैंपस के अन्य वार्ड सहित विभिन्न स्थानों में कुल 12 वेंडिगो मशीन और इनसिनरेटर संस्थापित किये गये। एचएलएल द्वारा मशीनों की आपूर्ति की गयी और मशीन के रखरखाव और रीफिल्लिंग का दायित्व भी किया जाएगा। श्री वी.के प्रशांत, तिरुवनंतपुरम निगम के महापौर ने डॉ. तोमस मात्यु, मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल को मशीन की चाबियाँ हस्तांतरित करके इस पहल का उद्घाटन किया। मेयर ने कहा - फिंगरटिप्स पर सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध कराना महिला रोगियों, छात्रों और रोगियों के पास रहनेवालों को बडा वरदान बन जाएगा। उन्होंने यह भी जोडा - नैपकिन का अपशिष्ट प्रबंधन एक चिन्ताजनक मुद्दा है और वेंडिगो इनसिनरेटर के साथ इसका समाधान किया गया है। डॉ. तोमस मात्यु, मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल ने जोर देकर कहा कि मेडिकल कॉलेज में उपयोग किए गये सैनिटरी नैपकिन के अपशिष्ट प्रबंधन को निपटने के लिए अधिक इनसिनरेटर की आवश्यकता है। हर दिन मेडिकल कॉलेज में छात्रों सहित लगभग 5000 महिलाएं आती जाती हैं। उन्होंने इस परियोजना के समय पर कार्यान्वयन के लिए एचएलएल की प्रशंसा की। डॉ श्रीकुमार, स्वास्थ्य स्थायी समिति के अध्यक्ष ने मेडिकल कॉलेज में मशीनों की तेज आपूर्ति एवं संस्थापन और उनके सहयोग के लिए एचएलएल की तारीफ की। उन्होंने कहा - यह परियोजना दो चरणों में की जायेगी। पहले चरण में रु.97 लाख और दूसरे चरण में रु.50 लाख की लागत अनुमानित की जाती है। वेंडिगो परियोजना केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय और पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय के स्वच्छ भारत शहरी और ग्रामीण कार्यक्रमों के अधीन अनुमोदित किया गया है।

www.hindlabs.in

# स्वस्थ रहें....
# खुश रहें....

20% - 60% छूट पर
लेबोरटरी, स्कैन और अन्य टेस्ट

ओ पी क्लिनिक्स प्रख्यात डॉक्टरों के नेतृत्व में

अधिक जानकारी के लिए :
9400027969, 0471 2443445/2443446

24x7 सेवा

## स्पेश्यालिटी ओ पी क्लिनिक्स

- जनरल मेडिसिन
- थायरो क्लिनिक
- ऑर्थोपेडिक्स
- ऑपथैल्मोलॉजी
- ईएनटी
- पीडियाट्रिक्स
- कार्डियोलॉजी
- गैस्ट्रोएंटरोलॉजी
- डायाबैटोलॉजी
- नेफ्रोलॉजी
- पल्मोनोलॉजी
- डर्माटोलॉजी

# हिंदलैब्स

नैदानिक केन्द्र & स्पेश्यालिटी क्लिनिक

एचएलएल का एक पहल, भारत सरकार का उद्यम

मेडिकल कॉलेज के सामने, तिरुवनंतपुरम

# अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एचएलएल

केंद्र स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अपर सचिव डॉ राकेश कुमार वत्स को एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया।

वे स्वास्थ्य मंत्रालय के अपर सचिव और केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) के महा निदेशक भी हैं। उन्होंने आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय के संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार और आवास एवं शहरी विकास निगम, हिंदुस्तान प्रीफाब लिमिटेड, राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम आदि में निदेशक के रूप में काम किया था। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के मिनि रत्ना कंपनी एचएलएल को गर्भनिरोधक उपाय, औषधियाँ, व्यक्तिगत स्वच्छता अस्पताल उत्पाद, नैदानिक उपाय आदि अनेक उत्पादें हैं। एचएलएल स्वास्थ्यरक्षा सेवा क्षेत्र में भी काम करता है। आज एचएलएल ग्रूप में 8 कंपनियाँ हैं - मूल कंपनी एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड, एचएलएल बायोटेक लिमिटेड (एचबीएल), एचएलएल इन्फ्राटेक सर्वीसस लिमिटेड (हाइट्स), एचएलएल मेडिपार्क लिमिटेड (एचएमएल), लाइफस्प्रिंग अस्पताल, गोवा एंटीबायोटिक्स और फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड (जीएपीएल), हिंदुस्तान लैटेक्स परिवार नियोजन प्रोन्नमन न्यास (एचएलएफपीपीटी), एचएलएल प्रबंधन अकादमी (एचएमए)।

# उत्तर प्रदेश के जिला अस्पतालों में एचएलएल की सीटी - स्कान सुविधा

एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड (एचएलएल), भारत की हृदय भूमि में अपना सर्वप्रिय हिंदलैब्स की पहल का विस्तार करके, जरूरतमंद लोगों को किफायती दरों पर गुणवत्तावाले डयग्नोस्टिक टेस्ट प्रदान करने के लिए उत्तर प्रदेश के सभी जिला अस्पतालों में सी टी स्कान संस्थापित करेगा। तद्नुसार मथुरा, अलीगढ़, एटाह, हथरस, कासगंज, औरैया, फरुखाबाद, कौशंबी, चित्रकूट, हमीरपूर, महोबा, भदोही, चंदौली, गाजीपुर, मौ, संत कबीर नगर, अमेठी, सिद्धार्थनगर, अंबेद्कर नगर, दियोरिया, कुशीनगर, महाराजगंज, पीलीभीत, शाहजहानपूर, बलरामपुर और श्रावस्ती सहित 40 स्थानों में सीटी स्कान यूनिट संस्थापित की जायेगी। राज्य सरकार और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) द्वारा उत्तर प्रदेश के सभी जिला स्तर के अस्पतालों में इस परियोजना कार्यान्वित करने के लिए एचएलएल को अधिदेशित किया गया है। व्यवस्था के भाग के रूप में, उत्तर प्रदेश सरकार सीटी स्कान सेंटर के संस्थापन के लिए इन अस्पतालों में निःशुल्क स्थान प्रदान किया जायेगा जबकि एचएलएल कुशल और अकुशल जनशक्ति के साथ सुविधा का संस्थापन, कमीशनिंग एवं अनुरक्षण के अतिरिक्त सीटी स्कानर और उससे जुडे उपकरण के निवेश और प्रापण का देखभाल करेगा। राज्य सरकार, 28 जिला अस्पताल के अलावा, लखनऊ, कानपूर नगर, हरदोई, जाललौन, उन्नाव, कन्नौज, इलाहाबाद बांदा, ललितपुर, बाराबंकी, फतेपुर और फैजाबाद के अन्य 12 से अधिक जिला अस्पतालों में सीटी स्कान मशीन का प्रापण और संस्थापन करेगी। एचएलएल, इन अस्पतालों में केवल सीटी स्कान यूनिटों का संचालन और अनुरक्षण करेगा। सीटी स्कान सेंटर सोमवार से शनिवार तक सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक कार्यरत होगा। स्कान रिपोर्ट स्कानिंग के छह घंटे से अंदर प्रदान की जाएगी, लेकिन सिर की चोट और आघात जैसे आपात स्थिति में रिपोर्ट दो घंटे से अंदर उपलब्ध कराएगी। सीटी स्कान सुविधा बहुत जरूरतमंद लोगों को विशेषतः समाज के गरीब वर्ग को बहुत उपयोगी होगी। परिष्कृत उपकरणों से सुसज्जित अत्याधुनिक सुविधा, योग्यता प्राप्त जनशक्ति और आईटी सक्षम समर्थन प्रणाली निजी सुविधाओं से काफी कम दरों में प्रयोगशाला जाँच की गुणवत्ता सुनिश्चित करेगी। हिंदलैब्स सबसे व्यापक और उन्नत इमेजिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करता है और इसकी सुविधाएं राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) द्वारा तैयार किए गए मानकों के साथ अनुपालन कर रही हैं। वर्तमान में, एचएलएल द्वारा केरल, कर्नाटक, ओडिशा, महाराष्ट्रा, पश्चिम बंगाल और दिल्ली में सीटी/एमआरआई स्कान और पैथोलॉजी सेवाएं उपलब्ध किया जा रहा है। एम्स, मेडिकल कॉलेज और जिला स्तर के अस्पताल जैसी संस्थाएं प्रमुख कार्यान्वयन क्षेत्र हैं।

# क्रांतिकारी बदलाव के

एसी नेलसन भौगोलिक विपणन विभाग द्वारा आयोजित अध्ययन ''स्वच्छता संरक्षण, हर महिला का स्वास्थ्य अधिकार'' के अनुसार भारत के 355 मिलियन मासिक धर्मवाली महिलाओं में केवल 12% सैनिटरी नैपकिन का उपयोग कर रही है। 12 से 18 वर्ष की आयु की किशोरियों में लगभग 23% किशोरियाँ मासिक धर्म शुरू होते ही स्कूल नहीं जाती हैं। सर्वेक्षण का परिणाम यह निकला है कि हर महीने में पाँच दिन इस प्रकार विद्यार्थिनियों को नष्ट हो जाती है। गुणवत्तावाले सैनिटरी नैपकिन के अभाव से ही स्कूलों में यह अवस्था हो रही है। इस अवसर पर, एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड और राज्य महिला विकास निगम केरल सरकार के सहयोग से शी पैड योजना प्रारंभ की गयी। 08 नवंबर 2017 को प्रारंभ की गयी इस योजना से छठवीं से प्लस टु स्तर तक के छात्राओं को एचएलएल की कनगला फैक्टरी में विनिर्मित गुणवत्तावाले पैड का वितरण किया जा रहा है। राज्य के सभी विद्यालयों में विभिन्न चरणों से इस योजना को कार्यान्वित करेगा।

इस शी पैड योजना के हिस्से के रूप में सैनिटरी नैपकिन प्राकृतिक रूप में निपटान करने के लिए इनसिनरेटरों का संस्थापन स्कूलों में किया जा रहा है। योजना के भाग के रूप में छात्र- छात्राओं को जागरूकता प्रदान करने के लिए पुस्तिका का वितरण भी किया गया। स्वतंत्रता और आह्लाद से - नामक पुस्तिका में मासिक धर्म और मासिक स्वच्छता के बारे में विस्तार से उल्लिखित किया गया है। मासिक धर्म के दौरान लडकियों द्वारा झेलने वाले दिक्कतों के बारे में लडकों को अवगत कराने की दृष्टि से यह पुस्तिका उनके बीच में वितरित की गयी है।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह तिरुवनंतपुरम ओट्टशेखरमंगलम हायर सेकंडरी स्कूल में संपन्न हुआ है। केरल राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्रीमती शैलजा टीचर ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कहा - स्कूल विद्यार्थिनियों को मुफ्त रूप से

# साथ शी-पैड परियोजना

उच्च गुणवत्तावाले नैपकिन प्रदान किये जाने वाले, देश के पहले राज्य के रूप में केरल बदल गया है। उन्होंने जोड़ा कि - बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बढ़ाने के लिए यह योजना सहायक बन जाएगी। स्कूल के लिए इनसिनरेटर भी मंत्री ने स्कूल के प्रिंसिपल श्रीमती वी.शशिकला को सौंपा दिया। श्री टी. राजशेखर, एचएलएल के निदेशक (विपणन) ने स्कूल के एक विद्यार्थिनी को जागरूकता पुस्तिका देकर इस का प्रकाशन किया। पुस्तिका का डिजाइनिंग एचएलएल लाइफ़केयर ने किया। श्री राजशेखर ने लडकियों के स्वास्थ्य बेहतर रहने के लिए स्किप्पिंग रोप भी प्रदान किया।

राज्य महिला विकास निगम, विविध सरकार पद्धतियों के सहयोग से यह योजना राज्य के 114 पंचायतों के 300 स्कूलों में लागू की जायेगी। अगले अकादमिक वर्ष तक राज्य के सभी स्कूलों में यह योजना लागू की जायेगी और इस परियोजना के लिए वित्तीय लागत की ओर 30 करोड रुपए का प्रावधान स्थानीय पंचायतों और केरल राज्य के महिला विकास कॉर्पोरेशन द्वारा किया जाएगा। मुख्य मंत्री श्री पिणराय विजयन ने इस योजना की घोषणा करते समय फेसबुक और ट्विटर पर लिखा है 'मासिकधर्म स्वच्छता हर लडकी का अधिकार है।'

इस योजना का दायरा सैनिटरी नैपकिन के वितरण तक सीमित नहीं है। शी पैड योजना का उद्देश्य मासिकधर्म स्वच्छता की आवश्यकता के बारे में जागरूकता बढाना है। शी पैड योजना लडकियों को इसके साथ जुडे अशुद्धता के विश्वासों से मुक्त कराने के लिए लडकियों की मदद करके इस विषय के चारों ओर वर्जित विवाद को तोडने का प्रयास भी करेगा।

# मौज मस्ती और हैपी डेज

विंग्स के साथ

3 सेनेटरी पैड सिर्फ ₹10 में

8 सेनेटरी पैड सिर्फ ₹25 में

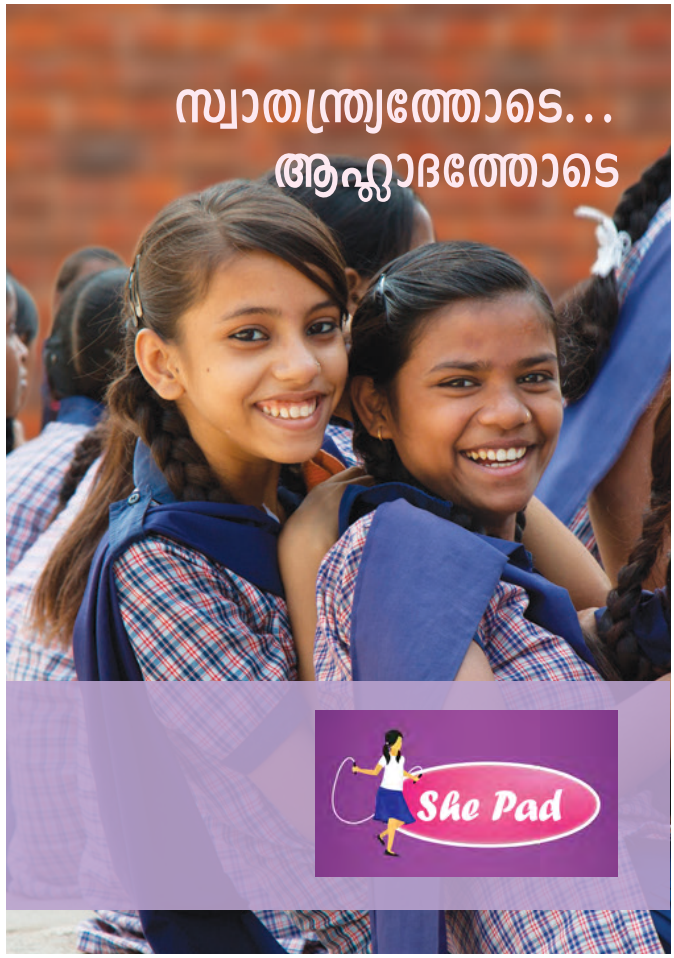


# मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता पुस्तिका

शी पैड परियोजना के भाग के रूप में, मासिकधर्म की स्वच्छता और सैनिटरी नैपकिन के उपयोग पर मुफ्त पुस्तिका केरल के विद्यार्थिनियों को मुफ्त रूप में वितरित की गयी है। केएसडब्लियुडीसी द्वारा एचएलएल को पुस्तिकाओं के डिज़ाइन, तैयारी और मुद्रण करने का काम सैंपा दिया था। पुस्तिका के डिज़ाइन और विषय-सूची एचएलएल कॉर्पोरेट संचार टीम द्वारा पूरी तरह इन-हाउस रूप से तैयार किया गया। इस 10 पृष्ठवाली (ए6 आकार) पुस्तिका में मासिकधर्म, मासिक धर्म स्वच्छता के महत्व, सैनिटरी नैपकिन का उपयोग शामिल हैं और इसका निपटान आसानी से समझाने के लिए चित्रों की सहायता से सरल भाषा में लिखा गया है। जनार्दनपुरम स्कूल, ओट्टशेखरमंगलम, तिरुवनंतपुरम में आयोजित शी पैड लांच समारोह के दौरान श्रीमती शैलजा टीचर, स्वास्थ्य मंत्री, केरल सरकार द्वारा पुस्तिका प्रकाशित की गयी। समारोह के दौरान स्कूल की छात्राओं को मुफ्त पुस्तिकाएं वितरण की गयीं। अच्छी ढंग से डिज़ाईन की गई पुस्तिका को छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों से व्यापक प्रशंसा मिली। दूसरे चरण में, भारत भर में वितरण क रने के लिए विभिन्न भाषाओं में पुस्तिका मुद्रित की जाएगी।

# आम जनता को राहत देते हुए हिन्दुस्तान लैटेक्स परिवार नियोजन प्रोन्नमन न्यास

मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयु) - हिन्दुस्तान लैटेक्स परिवार नियोजन प्रोन्नमन न्यास (एचएलएफपीपीटी) ने असम में चाय बागानों के श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के कदम की ओर मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयु) या मिनी अस्पतालों को प्रारंभ किया। 130 एमएमयु सार्वजनिक निजी साझेदारी मोड (पीपीपी) के ज़रिए राज्य स्वास्थ्य समाज और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन - असम से धन सहायता के साथ असम के आर-पार संचालित किये जायेंगे। एमएमयु असम के सभी जिलों में फैले हुए करीब 2,600 गांवों में लगभग 26 लाख लोगों को प्राथमिक और चयनात्मक माध्यमिक स्वास्थ्य सेवा और दवाएं मुफ्त में प्रदान करेंगे। प्रत्येक एमएमयु में दो वाहन होंगे, इन में से एक आउटपेशेंट विभाग (ओपीडी), डायग्नोस्टिक, लैबोरेटरी सुविधाएँ और सूचना शिक्षा संचार (आईईसी) सामग्रियों के साथ सुसज्जित होगा, दूसरा वाहन मानव संसाधनों के परिवहन के लिए होगा।

श्री जगत प्रकाश नड्डा, स्वास्थ्य और परिवार मंत्री, भारत सरकार ने 20 जून 2017 को एमएमयु का फ्लैग ऑफ किया। एमएमयु का उद्घाटन करते हुए, श्री नड्डा ने कहा - यह एक ऐतिहासिक पहल है, जिस के द्वारा राज्य के चाय समुदाय में स्वास्थ्य सेवा की पहुँच उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने कहा, असम की पहचान यहाँ के चाय उद्यान का पर्याय है, लेकिन चाय एस्टेट्स में बडी मात्रा में काम कर रहे मज़दूर आबादी को गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य रक्षा नहीं दी गई है। श्री नड्डा ने जोडा, एनीमिया और अन्य रोगों के कारण चाय उद्यान के क्षेत्र में गर्भवती महिलाओं के बीच में मातृ मृत्यु दर का अनुपात (एमएमआर) उच्च है और यह चिंता के प्रमुख विषय है और बागों में स्वास्थ्य रक्षा सुविधा की कमी इस मामले में मदद नहीं कर रही है। श्री नड्डा ने कहा - इस चिंता का समाधान करने के लिए, आंतरिक चाय बागों में स्वास्थ्य रक्षा प्रदान करने की ओर समर्पित एमएमयु प्रारंभ किया गया है। समारोह में उन्होंने कहा 320 चाय के बोगों में अर्ध - स्थैतिक एमएमयु चालू हो जाएगा जहाँ स्वास्थ्यरक्षा सुविधाएं अपर्याप्त पाया जाता है।

असम के मुख्य मंत्री श्री सरबानंद सोनोवाल ने कहा- राज्य सरकार, केंद्र के सक्रिय सहयोग के साथ, स्वास्थ्यरक्षा क्षेत्र में विकास कार्यों के द्रुत कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने यह भी कहा, अमृत फार्मेसियों ने डिबूगढ़, तेज़पुर, गुवाहाटी, सिलचर और बारपेटा के पांच मेडिकल कॉलेजों में हृदय रोगों और अन्य गंभीर बीमारियों के लिए बाज़ार दर से 60% कम रियायती दरों पर आवश्यक दवाइयाँ प्रदान की हैं, जो समाज के वंचित वर्गों को परेशानी में सहायता दी है।

एचएलएफपीपीटी ने मेसर्स डीएलएफ के सहयोग से 30 सितंबर 2017 को गरीबों और अनगिनत समुदायों को निवारक, रोगग्रस्त और नैदानिक सेवाओं की एक श्रृंखला प्रदान करने की ओर नोएडा, उत्तरप्रदेश में एक नया मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयु) शुरू किया है। 'आरोग्यम' नाम से, एमएमयु - एक चलता मिनी अस्पताल - हरोला, चलेरा और भानगेल गाँवों के अतिरिक्त नोएडा के 16, 17 और 18 सेक्टर के स्लम समूहों को इसकी सेवाएं प्रदान करेगी।

यह एमएमयु परियोजना डीएलएफ फाउंडेशन, डीएलएफ लिमिटेड के रियल एस्टेट प्रमुख के सीएसआर आर्म के सहयोग से लागू की गयी है। श्री ब्रजेश नारायण सिंह नोएडा के मजिस्ट्रेट ने अपने कार्यालय में एमएमयु का फ्लैग ऑफ किया, उन्होंने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा, 'यह प्राथमिक स्वास्थ्यरक्षा की जरूरतों को पूरा करने और नोएडा के कुछ क्षेत्रों के वंचित और उपेक्षित लोगों की स्वास्थ्य स्थिति में सुधार लाने में काफी मदद करेगा। गैर सेवित क्षेत्र में लक्ष्य आधारित स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए प्रयास किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें अपनी प्रभावशीलता को बनाए रखने के लिए इस तरह की पहल के कार्यकलापों पर नजर रखने की आवश्यकता भी है।

इस अवसर पर डॉ अनुराग भार्गव, अपर सीएमओ, डॉ वी. के.ढाका, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ), डी एल एफ लिमिटेड, श्री राजीव सिंह, कार्यकारी उपाध्यक्ष, श्री अश्वनी के सिन्हा, एचएलएफपीपीटी राष्ट्रीय प्रबंधक (सीएसआर) और एचएलएफपीपीटी और डीएलएफ के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, इसके अलावा आसपास के समुदायों के स्थानीय सदस्य उपस्थित थे। श्री शरद अग्रवाल, एचएलएफपीपीटी के सीईओ ने कहा - एक उन्नत एमएमयु का शुभारंभ इस क्षेत्र में वंचित और गरीब समुदायों की बढती स्वीकृति का प्रतीक है। 155 एमएमयु के ज़रिए एचएलएफपीपीटी पूरे देश में काम कर रहा है। हमने असम में चाय बाग श्रमिकों के हित के लिए हाल ही में 80 एमएमयु प्रारंभ किये। यह एमएमयु बाहरी श्रमिकों के साथ एक डॉक्टर, एक नर्स और प्रयोगशाला तकनीशियन द्वारा संचालित की जाती है, इस में रोगनिवारक सुविधाओं और मातृ एवं बाल स्वास्थ्य सेवाओं की एक श्रृंखला प्रदान की जाती है। इसमें छोटी बीमारियों जैसे बुखार, अतिसार, कृमि उपद्रव, टीबी, मलेरिया, कुष्ठ रोग और स्थानीय स्तर पर सांप्रदायिक एवं गैर - सांप्रदायिक बीमारी जैसे उच्च रक्तचाप, मधुमेह और ह्रदय संबंधी बीमारी के लिए उपचार शामिल हैं। इसमें प्राथमिक चिकित्सा, लघु सर्जीकल प्रक्रियाएं और स्यूचरिंग का भी प्रावधान है।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में, यह गर्भधारण और प्रसव के लिए प्रसूति जाँच, स्तनपान कराने के लिए परामर्श, मौखिक गर्भ निरोधकों और कंडोम का वितरण, जन्म पंजीकरण, प्रतिरक्षण और लोह और फोलिक एसिड पूरक को बढ़ावा देती है। आगे, एमएमयु रक्तचाप, रक्त ब्लड शुगर, हीमोग्लोबिन और जीवनशैली रोग जैसे उच्च रक्तचाप और मधुमेह के लिए डायग्नोस्टिक सुविधाओं के साथ सज्जित किया गया है। साथ ही, जांच के लिए, सरकार और निजी अस्पताल की डायग्नोस्टिक सुविधा से भी लाभा उठाता है, जहाँ एमएमयु पर उपलब्ध उपकरणों से नहीं किया जा सकता है।

रेफरल सेवा के लिए स्वास्थ्य वैन उस क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला अस्पताल से जुडा हुआ है। इसने नियत तारीखों पर डिलीवरी मदों को तय किया है और इसका लाभ सामुदायिक संग्रह के माध्यम से गैर - सेवित लोगों को प्रदान किया गया है।

# एचएलएल - राजभाषा कार्यान्वयन में प्रतिबद्ध

## हिंदी पखवाड़ा - समापन समारोह

एचएलएल - पेरूरकड़ा फैक्टरी के जवाहरलाल नेहरू जन्मशताब्धी स्मएचरक कल्याण केंद्र में 11 अक्तूबर, 2017 को आयोजित हिंदी पखवाड़ा के समापन समारोह का उद्घाटन केरल के सम्माननीय पोर्ट मंत्री श्री रामचंद्रन कडन्नप्पल्ली ने किया। उन्होंने कहा, 'मुझे हिंदी पढने का सौभाग्य अपने पिताजी से मिला, वे संस्कृत के अध्यापक थे। वास्तव में हिंदी भाषा की जननी संस्कृत भाषा है। सांसद होते समय हिंदी पढने की फायदा मुझे अधिक मिला। मैं संसद सभा में हिंदी में अच्छी तरह से बात कर सका। मैं मानता हूँ हिंदी सरल एवं समृद्ध भाषा है, यह सीखने से हम केरल से बाहर कहीं भी बेहिचक से घूम कर सकते हैं।' आगे उन्होंने हिंदी भाषा के प्रचार प्रसार के लिए एचएलएल द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना की। बाद में, इस समारोह के अध्यक्ष पद पर विराजित एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री आर. पी.खण्डेलवाल ने अपने भाषण में राजभाषा हिंदी के प्रोन्नमन के लिए कंपनी में किये जा रहे कार्यकलापों पर नज़र डालते हुए कहा कि सभी को अपने उत्तरदायित्वों - 'अपना शासकीय कार्य हिंदी में भी करने के प्रति प्रतिबद्ध होना चाहिए। इस अवसर पर एचएलएल के निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन) श्री ई.ए.सुब्रमण्यन ने आशीर्वाद भाषण दिया। कंपनी के उप महा प्रबंधक (हिंदी) डॉ.वी.के. जयश्री और उप प्रबंधक (राजभाषा) डॉ.सुरेष कुमार.आर ने क्रमशः स्वागत एवं धन्यवाद का काम संभाला। समारोह में कंपनी वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति हुई।

# राजभाषा चल वैजयंती

एचएलएल के तीन यूनिटों (पेरूरकड़ा फैक्टरी, आक्कुलम फैक्टरी और कनगला फैक्टरी) के बीच में राजभाषा कार्यान्वयन में अव्वल स्थान पर आने वाली यूनिट के लिए लगायी गयी राजभाषा चल वैजयंती के लिए लगातार दूसरी बार एचएलएल - पेरूरकड़ा फैक्टरी हकदार बन गयी। केरल के सम्माननीय पोर्ट मंत्री श्री रामचंद्रन कडन्नप्पल्ली से पेरूरकड़ा फैक्टरी के यूनिट प्रधान श्री वी.कुट्टप्पन पिल्लै ने यह पुरस्कार हासिल किया। आगे हिंदी पखवाड़ा समारोह के दौरान कंपनी के कर्मचारियों एवं उनके बच्चों के लिए आयोजित विविध हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं - एस एल एल सी/ सी बी एस ई/+2 परीक्षाओं में हिंदी विषय में 'ए' ग्रेड या अधिक अंक प्राप्त कर्मचारियों के बच्चों, राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित प्रबोध/प्रवीण/प्राज्ञ परीक्षाओं में उत्तीर्ण कर्मचारियों, कंपनी में आयोजित राजभाषा संगोष्ठी, लेख प्रतियोगिता तथा 'रोज़ एक शब्द पढिए' कार्यक्रम के अधीन चलायी गयी 'स्मरण परीक्षा' के विजेताओं - को केरल के सम्माननीय पोर्ट मंत्री श्री रामचंद्रन कडन्नप्पल्ली द्वारा पुरस्कार प्रदान किये गये।

# एल एम एस स्कूल, वट्टप्पारा में हिंदी प्रतियोगिता

भारत की राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, बाज़ारी भाषा एवं आम जनता की भाषा का अधिकाधिक प्रचार करने और स्कूल के बच्चों को हिंदी भाषा की ओर आकृष्ट करने के लक्ष्य से, हम, कंपनी के कॉर्पोरेट जिम्मेदारी कार्यक्रम के अधीन गोद लिए करकुलम पंचायत के चार स्कूलों (एल एम एस हाई स्कूल, वट्टप्पारा, एल एम एस हायर सेंकडरी स्कूल, वट्टप्पारा, कषनाड यु.पी.स्कूल, करकुलम सरकारी यु.पी. स्कूल) के विद्यार्थियों (प्लस टु, हाई स्कूल, मिडिल स्कूल एवं प्राइमरी स्तर) के लिए हिंदी सुलेख, हिंदी वक्तृता, हिंदी फिल्मी गीत, हिंदी कविता पाठ और हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिताएँ 18.01.2018 को एल एम एस हायर सेकेंडरी स्कूल, वट्टप्पारा में आयोजित की गयीं। इसमें करीब 98 छात्र - छात्राओं ने भाग लिया। बाद में, स्कूल में आयोजित असेंब्ली के अवसर पर सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

# विश्व हिंदी दिवस

विश्व भाषा की हैसियत मिलने से आज हिंदी भाषा अत्यंत लोकप्रिय बन गयी है। अतः कंपनी के कर्मचारियों के मन में हिंदी भाषा के प्रति अभिरुचि पैदा करने और इस प्रकार कंपनी में हिंदी का परिवेश लाने की ओर 1 जनवरी 2017 को कंपनी के विभिन्न यूनिटों में विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। इसके अलावा कंपनी के अन्य यूनिटों यानी पेरूरकड़ा फैक्टरी, आक्कुलम फैक्टरी, कनगला फैक्टरी, काक्कनाड फैक्टरी में हिंदी निबंध लेखन, हिंदी श्लोगन जैसी प्रतियोगितायें भी चलायी गयीं।

# गणतंत्र दिवस समारोह

राष्ट्रभाषा हिंदी की महता को मानते हुए गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन में प्रथम स्थान पर पहूँचे निगमित मुख्यालय के सुरक्षा विभाग को अग्रणी अनुभाग पुरस्कार और विभिन्न हिंदी कार्यकलापों (उच्च स्तर के कार्यपालकों के लिए हिंदी प्रतियोगिता, टिप्पण एवं आलेखन कार्य किये अधिकारियों/कर्मचारियों) के विजेताओं को नकद पुरस्कार भी एचएलएल के निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन) श्री ई.ए.सुब्रमण्यन द्वारा प्रदान किये गये। इसके अतिरिक्त कंपनी के अन्य यूनिटों में भी स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया गया और हिंदी स्मरण परीक्षा तथा टिप्पण एवं आलेखन के विजेताओं को संगत यूनिटों के यूनिट प्रधान द्वारा पुरस्कार वितरित किये गये।

# कॉलेज अध्यापकों के लिए तकनीकी सेमिनार

आज हम भूमण्डलीकरण के पथ पर हैं, अतः कंप्यूटर और मोबाइल के इस ज़माने में इन आधुनिक प्रौद्योगिकियों पर हिंदी में काम करने की तकनीकी के बारे में कॉलेज के अध्यापकों को अवगत कराने के उद्देश्य से एचएलएल निगमित मुख्यालय में 20 फरवरी 2018 को आयोजित तकनीकी सेमिनार में तिरुवनंतपुरम के विभिन्न कॉलेजों से 27 अध्यापक एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस तकनीकी सेमिनार का उद्घाटन एचएलएल के निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन) श्री ई.ए.सुब्रमण्यन द्वारा किया गया। श्री के. विनय कुमार, उपाध्यक्ष (मानव संसाधन) ने आशीर्वाद भाषण दिया। श्री अनिल कुमार, प्रबंधक (राजभाषा), एसबीआई संकाय सदस्य रहा। उन्होंने इन्सक्रिप्ट कीबोर्ड, गूगिल कन्वर्टर, गूगिल हिंदी अनुवाद, गूगिल इंडिक, हिंदी वॉयस टाइपिंग, फोटो अनुवाद आदि के प्रति प्रतिभागियों को अवगत कराया गया।

# कॉलेज विद्यार्थियों के लिए राजभाषा सेमिनार

एचएलएल राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन में प्रमुखता देते हुए हर वर्ष कंपनी के कर्मचारियों तथा कॉलेज विद्यार्थियों के लिए राजभाषा संगोष्ठी आयोजित कर रहा है। राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन में वृद्धि लाने की ओर कंपनी में बहुआयामी हिंदी कार्यक्रम अनवरत चलाये जाते हैं। इस कोटि में हम इस प्रकार के सेमिनार से हमारा प्रमुख उद्देश्य है, संघ सरकार की राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित करना हमारा फर्ज़ मानते हुए कंपनी के राजभाषा कार्यान्वयन में विकास लाना तथा कंपनी के अंतर मात्र नहीं बाहर के लोगों को भी इससे अवगत करना।

एचएलएल - कॉर्पोरेट अनुसंधान एवं विकास केंद्र, आक्कुलम में 23 मार्च 2018 को आयोजित राजभाषा सेमिनार का उद्घाटन एचएलएल के निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन) श्री ई.ए.सुब्रमण्यन द्वारा किया गया। इस वर्ष की राजभाषा सेमिनार का विषय था - 'वैश्वीकरण के परिप्रेक्ष्य में राजभाषा हिंदी की भूमिका'। उन्होंने अपने भाषण में व्यक्त किया कि हिंदी भाषा का बृहत कैनवास भारत में मात्र सीमित नहीं अमरीका, जपान, जर्मनी, तैयलैंड, इण्डोनेश्या जैसे विदेश राष्ट्रों तक फैल गया है और आज यह विदेश राष्ट्रों के विश्वविद्यालयों का एक पाठ्यविषय भी बन गयी है। आगे उन्होंने सभी विद्यार्थियों से लगन के साथ हिंदी पढने का आह्वान भी किया।

इस अवसर पर श्री मोहन चौधरी, सहायक निदेशक (राजभाषा) एवं सदस्य सचिव टोलिक (कार्यालय - 1), तिरुवनंतपुरम ने आशीर्वाद भाषण दिया। सभा में डॉ.अनिता तंपी, यूनिट प्रधान, कॉर्पोरेट अनुसंधान एवं विकास केंद्र, आक्कुलम और एचएलएल - कॉर्पोरेट अनुसंधान एवं विकास केंद्र के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति हुई। डॉ.वी.के.जयश्री, उप महा प्रबंधक (हिंदी) और वैज्ञानिक, सी आर डी सी, डॉ. संतोष कुमार शुक्ल ने क्रमशः स्वागत एवं कृतज्ञता का काम संभाला। श्रीमती रश्मी नायर के प्रार्थना गीत से प्रारंभित इस राजभाषा सेमिनार में डॉ.सुरेष कुमार.आर, उप प्रबंधक (राजभाषा) द्वारा कमपेरे का काम निभाया गया।

तिरुवनंतपुरम के सात कॉलेजों से बाईस छात्र - छात्राओं ने इस राजभाषा सेमिनार में भाग लिया। कुमारी सिमि.एस, अनुसंधान छात्र, सरकारी कॉलेज, कार्यवट्टम, कुमरी आर्द्रा.आर.एस, स्नातकोत्तर विद्यार्थी, श्री शंकराचार्या संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुवनंतपुरम और कुमारी मंजु. एस, स्नातकोत्तर विद्यार्थी, श्री शंकराचार्या संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुवनंतपुरम क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्राप्त करने में सफल बन गये।

# राजभाषा परिचय कार्यक्रम

कंपनी में नयी भर्ती हुए अधिकारियों को राजभाषा अधिनियम एवं नियम के प्रति अवगत कराने तथा अपना शासकीय कार्य हिंदी में भी करने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण देने के लिए 25.01.2018 को एचएलएल - कॉर्पोरेट अनुसंधान एवं विकास केंद्र, आक्कुलम में आयोजित अधिकारियों के लिए राजभाषा परिचय कार्यक्रम का उद्घाटन एचएलएल के कंपनी सचिव एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री पी.श्रीकुमार द्वारा किया गया। इस परिचय कार्यक्रम में कंपनी के विभिन्न यूनिटों से बीस अधिकारियों ने भाग लिया। प्रथम सत्र में श्री अनिल कुमार, प्रबंधक (राजभाषा), एसबीआई और दूसरे सत्र में श्री ए.सोमदत्तन, सेवानिवृत्त सहायक निदेशक (राजभाषा), मुख्य आयकर आयुक्त कार्यालय द्वारा क्लास लिया गया।

# विश्व मातृभाषा दिवस

विश्व मातृभाषा दिवस समारोह के सिलसिले में 22 फरवरी 2018 को एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड और तिरुवनंतपुरम नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और हिंदी मेला एचएलएल की पेरूरकडा फैक्टरी में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न कार्यालयों से 25 कर्मचारियों की भागीदारी हुई। हिंदी मेला में कविता, सिनेमा गीत, देशभक्ति गीत मलयालम और हिंदी में पेश किये गये। इस कार्यक्रम में विधि निर्णायक की भूमिका श्रीमती एम. विशालाक्षी,सेवा निवृत्त सहायक निदेशक (राजभाषा), मुख्य पोस्टमास्टर जनरल कार्यालय ने निभायी। हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर क्रमशः एचएलएल पेरूरकडा फैक्टरी, एचएलएल निगमित मुख्यालय एवं एचएलएल पेरूरकडा फैक्टरी के टीम को मिला।

# राजभाषा निरीक्षण

एचएलएल के विविध यूनिटों के राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन में विकास लाने की ओर वहाँ के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशानिर्देश देने के लिए एचएलएल निगमित मुख्यालय, पेरूरकड़ा फैक्टरी, आक्कुलम फैक्टरी में उप प्रबंधक (राजभाषा) द्वारा अंतरूनी राजभाषा निरीक्षण किया गया।

# राजभाषा सेमिनार/ सम्मेलन में भागीदारी

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 23.06.2017 को जिप्मेर, पुदुच्चेरी में आयोजित राजभाषा तकनीकी संगोष्ठी में कंपनी के उप महा प्रबंधक (हिंदी) द्वारा नराकास (उपक्रम) के बारे में पवरपोइंट प्रस्तुतीकरण किया गया।

राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड, विशाखपट्टनम में 8.12.2017 को आयोजित दक्षिण - पश्चिम क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में कंपनी के उप महा प्रबंधक (हिंदी) की उपस्थिति हुई।

इंडियन बैंक द्वारा 23.02.2018 को उदयसमुद्रा होटल, कोवलम में आयोजित अखिल भारतीय राजभाषा सेमिनार में कंपनी के उप महा प्रबंधक (हिंदी) ने भाग लिया।

# हिंदी पखवाडा समारोह

## एचएलएल - कनगला फैक्टरी

# स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत

**डॉ.संतोष कुमार शुक्ल**
वैज्ञानिक, एचएलएल निगमित अनुसंधान
एवं विकास केंद्र, आक्कुलम

21 वीं सदी के द्वार पर खड़ा भारत आज विश्व का सिरमौर देश बनने की राह पर अग्रसर है। उनके पैरों में आशा की नई पदचाप सुनाई दे रही है। भारत के उज्ज्वल भविष्य के सपने हर भारतीय की आँखों में कैद है। हर भारतीय बालक की मुस्कान मुझ में छिपे हुए हैं, भारत की हर समस्या, हर मुश्किल, हम सभी सवा सौ करोड़ भारतीयों की समस्या है। इन्हीं समस्याओं में से एक प्रमुख समस्या, जो हम सभी द्वारा पैदा की गई है वह है गंदगी, अस्वच्छता या मलिनता। भारत देश ऋषियों और अवतारों की पावन चरण रज से अभिसिंचित है। हमारा मानव शरीर पंचमहाभूतों से मिलकर बना है, और इसके बारे में हमें शास्त्रों से जानकारी भी मिलती है।

यथा-
'क्षिति जल पावक गगन समीरा पंच रचित अति अधम शरीरा'
(रामचरित मानस किष्किंधाकांड)

हम सभी यदि भगवान शब्द का संधि विच्छेद करें, तो भी हमें भ-भूमि, ग-गगन, वा-वायु, अ-आकाश, न-नीर से इसी प्रकार का आभास होता है। आज हम यह कर सकते हैं कि, विकास की अंधी दौड़ एवं बढ़ते औद्योगिकीकरण ने इन पंचमहाभूतों अर्थात् पृथ्वी, जल, आकाश, वायु, अग्नि आदि को प्रदूषित कर दिया है। भारत की रमणीयता एक स्वच्छ प्रकाश के रूप में है, तो क्या हम इस प्रकाश को जीवनपर्यंत जीवित नहीं रख सकते। आज यह एक बहुत बड़ा प्रश्न हम सभी के सामने है। प्रेरणा एक ऐसा शब्द है, जो इंसान में जोश एवं ओज का समावेश करता है। लेकिन यह प्रेरणा है क्या? और कैसे व कहाँ से आती है? और अगर आ गई तो इसके आने से क्या होता है? यह बाल्यावस्था में पूछे जाने वाला प्रश्न है, वैसे तो हर इंसान की प्रेरणा का कोई न कोई स्रोत होता है, लेकिन कुछ ऐसे व्यक्तित्व होते हैं, जो अपने कार्यों में समाज को एक नई दिशा देते हैं, और समाज के लिए, देश के लिए प्रेरणा की मिसाल बन जाते हैं। आज हम सभी देशवासियों के सामने ऐसी ही मिशाल के रूप में हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्रद्धेय नरेंद्र भाई मोदी जी हैं।

उन्हीं के शब्दों के अनुसार वे स्वच्छता को जन आंदोलन बना देना चाहते हैं। जहाँ स्वच्छता होती है, वहाँ इश्वर का वास होता है। महात्मा गाँधी को स्वच्छता इतनी प्रिय थी, कि वह इसमें तनिक भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं करते थे। आज देश उनके उसी मिशाल को सामने रखकर स्वच्छता की जंग में कूद पड़ा है। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 15 अगस्त, 2014 को लाल किले की प्राचीर से देशवासियों को संबोधित करते हुए स्वच्छ भारत अभियान या क्लीन इंडिया मिशन की घोषणा की थी और अपने की गई घोषणा के अनुसार महात्मा गाँधी के १४६वीं जन्म जयंती अवसर पर 2 अक्तूबर, 2014 को संपूर्ण भारतवर्ष में इस अभियान की शुरुआत हो गयी। भारत सरकार के विभिन्न मंत्रियों ने विविध प्रदेशों से इस अभियान की शुरुआत की। इसी अभियान की कड़ी में भारतवर्ष की एक जिम्मेदार संस्था होने के नाते, एचएलएल ने अपने दूरदर्शी पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.एम.अय्यप्पन के मार्गनिर्देशन में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। हमारे संस्थान एचएलएल के सभी कर्मचारियों ही नहीं, बल्कि सी एम डी महोदय ने भी इस स्वच्छ भारत अभियान में हिस्सा लिया और सभी ने सफाई की। हमारे कॉर्पोरेट आर एंड डी सेंटर के सभी वैज्ञानिक एवं कर्मचारियों ने इस महा अभियान में अपना योगदान दिया और हम आगे भी इसे स्वच्छ रखकर अपना योगदान देते रहेंगे ।

मैं व्यक्तिगत तौर पर यह कह सकता हूँ कि स्वच्छ भारत अभियान ने लोगों में सफाई के प्रति जागरूकता पैदा की है। यह जागरूकता वास्तव में ज़मीनी तौर पर होनी चाहिए, ना कि फोटो खिंचवाने या प्रसिद्धि पाने के लिए। आज गंदगी के खिलाफ लड़ाई एक जंग से कम नहीं है, क्योंकि हमारे पास समस्याओं की बहुलता है। अगर हम सरकारों पर ही आश्रित रहेंगे, तो हो चुका कल्याण और हो गया स्वच्छ भारत। क्योंकि कोई भी सरकार सवा सौ करोड़ भारतीयों का कचरा साफ करने का माद्दा नहीं रखती। इसलिए हर एक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए, देश के लिए इसकी व्यापक आवश्यकता को देखते हुए, इसमें युद्द स्तर पर काम करना चाहिए। हम अपने देश को कहते हैं 'अतुल्य भारत', अर्थात् जिसकी तुलना न हो सके, लेकिन साफ सफाई एवं गंदगी के परिप्रेक्ष में हम कह सकते हैं कि यह सही है, गंदगी में भारत की तुलना कोई नहीं कर सकता। आप बताएं क्या आपको यह अच्छा लगेगा, यदि आपके देश को गंदे देश की श्रेणी में रखा जाएं? बंगलादेश जैसे छोटे एवं हमारे पड़ोसी देश भी सफाई में हम से आगे हैं। हम देशवासियों को यह विश्वास रखना चाहिए कि यदि हम मंगल तक पहुँच सकते हैं, तो क्या हम गंदगी से निजात नहीं पा सकते?

आज यही विश्वास जगाने का कार्य, हमारे प्रधानमंत्री जी ने किया है। स्वच्छ भारत अभियान की समय सीमा को गांधी जी की 150वीं जन्मजयंती, 2 अक्तूबर, 2019 तक रखी गयी है। इस अभियान पर 62 हज़ार करोड़ रुपए के बजट का आबंटन किया गया है। अब आप स्वयं सोचकर देखें, कि यदि हम गंदगी ना करते और अपने आसपास की जगह को स्वच्छ रखते, तो यह करोड़ों रुपए देश के काम आते की नहीं। एक कहावत है - जो बीत गई, वो बात गई' आज हम सभी नागरिकों को अपनी पिछली गलियों को भुलाकर, अब से यह प्रण लेना चाहिए कि मैं न अपने स्थान को गंदा करूँगा और ना करने दूँगा। भारत की छवि विदेशों में सुधारने के लिए, हर नागरिक की स्वच्छता में भागीदारी आवश्यक है। जब तक हमारे अंदर यह धारणा नहीं होगी कि यह मेरा देश है, हमें इसे स्वच्छ रखना है, जैसे कि हम अपने घर को और अपनी चीज़ों को रखते हैं, तब तक इस मिशन में कामयाबी शत प्रतिशत नहीं मिलेगी। आज सैलानी यहाँ आने से कतराते हैं, क्योंकि यहाँ गंदगी का अंबार है। निवेशक यहाँ निवेश करने से डरते हैं। हमें इस प्रकार के माहौल को बदलने की आवश्यकता है। हम सभी को स्वच्छ भारत अभियान की मुक्त कंठ से प्रशंसा करनी चाहिए, आज एक व्यक्ति के आह्वान पर पूरा देश उठ खड़ा हुआ है। चाहे वह खेल जगत के भारत रत्न सचिन तेंदुलकर हो या सलमान खान, आमिर खान, अनिल अंबानी, मुकेश अंबानी, बाबा रामदेव, मशहूर अभिनेता अमिताभ बच्चन एवं अन्य बहुत से गणमान्य व्यक्ति, जिन्होंने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया हो वे सब धन्यवाद के पात्र ही हैं। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में यदि हम अपने इस शहर तिरुवनंतपुरम का उदाहरण दें, तो यह पता चलता है कि यहाँ तो कोई कचरा प्रबंधन (वेस्ट मैनेजमेंट) है ही नहीं, लोग अपना कूड़ा कचरा इकट्ठा करके जलाते हैं। जिससे पर्यावरण को बहुत क्षति पहुँच रही है। यह तो, यहाँ की हरियाली की देन है कि, हमें इसका आभास ही नहीं होता।

स्वस्थ एवं निरोगी काया के लिए स्वच्छता परम आवश्यक है। यदि हमारे आसपास का वातावरण स्वच्छ है तो उस स्थान पर निवास करने वाले समुदाय के सभी कुटुंबी अवश्य रूप से स्वस्थ एवं सबल होंगे। दूसरी तरफ यदि हम अपने आस-पास गंदगी का अंबार फैलाए हैं, तो निश्चित रूप से हम बीमारियों को बुलावा दे रहे हैं और उस स्थान पर निवास करने वाले परिवार बीमार एवं दुर्बल रहेंगे। इस प्रकार स्वच्छता के साथ-साथ हम अपनी जीवनशैली को भी स्वस्थ कर सकते हैं। इससे हमारा शरीर तो निरोग होगा ही, साथ-साथ हमारे धन की भी बचत होगी। हमें बार-बार डॉक्टर के दरवाजे पर चक्कर नहीं लगाना पडेगा। मेरा अपने सभी देशवासियों से व्यक्तिगत रूप से करबद्ध निवेदन है, कि आप अपने आसपास की जगह को स्वच्छ रखें और एक स्वच्छ भारत, श्रेष्ठ भारत एवं स्वस्थ भारत के निर्माण में एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते अपना योगदान दें। आप विश्वास कीजिए यह देश बदल जाएगा और विश्व हमें एक अच्छी निगाह से देखेगा। समय की धारा में बहते बहते, हम आज यहाँ तक आए हैं ।
बीती सदियों के आंचल से, कुछ आशा के फूल लाए हैं ।।
हो मंगलमय प्रभात पृथ्वी पर, मिटे कलह का कटु उन्माद ।
वसुंधरा हो हरी-भरी, स्वच्छ रखो तुम आस-पास ।।
विश्व गुरु बन जाए भारत, चमके खुशियों का प्रभात ।।

स्वच्छ भारत, श्रेष्ठ भारत, स्वस्थ भारत।

## गणतंत्र दिवस समारोह

## हार्दिक बधाइयाँ

टैगोर सेंटिनरी हॉल, कोषिकोड में 4 मार्च 2018 को आयोजित समारोह में एक्साइस और श्रम मंत्री श्री टी.पी. रामकृष्णन से राज्य के बहुत बडे उद्योग की श्रेणी में केरल सरकार, फैक्टरी एवं बॉयलर विभाग द्वारा संस्थापित ''औद्योगिक सुरक्षा में उत्कृष्ट निष्पादन - 2017'' पुरस्कार प्राप्त कर रहे हैं श्री वी. कुट्टप्पन पिल्लै, यूनिट मुख्य, एचएलएल पेरूरकडा फैक्टरी । श्री अनिलकुमार. के, संयुक्त महा प्रबंधक (मानव संसाधन), श्री वेणुगोपाल.एस, उप महा प्रबंधक (उत्पादन, सुरक्षा और पर्यावरण), श्री गोकुल वी. बाबु,उप प्रबंधक (सुरक्षा) को भी देखे जाते हैं।

# ताज़ा खबर

श्री के. मुरलीधरन, विधायक 20 अक्तूबर, 2017 को पेरूरकडा सरकारी अस्पताल में नए हिंदलैब्स और अमृत फार्मेसी का उद्घाटन कर रहे हैं।

श्री सेन कुमार, आईपीएस (पूर्व राज्य पुलिस मुख्य और पुलिस महा निदेशक) ने 30 अक्तूबर, 2017 को पेरूरकडा फैक्टरी, जे एन सी एम डब्लियु सी हाल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह समारोह के सिलसिले में ''मेरा दृष्टिकोण - भष्टाचार मुक्त भारत''पर भाषण दिया।

निगमित मुख्यालय में 30 अक्तूबर, 2017 को आयोजित सतर्कता जागरूकता सप्ताह समारोह के सिलसिले में कर्मचारी प्रतिज्ञा लेते हैं।

कॉर्पोरेट अनुसंधान एवं विकास केंद्र (सीआरडीसी) में एचएलएल प्रबंधन अकादमी (एच एम ए) द्वारा आयोजित 'थिंक टैंक' भाषण श्रृंखला के सिलसिले में 04 अक्तूबर, 2017 को ''भारत में पेटेंट अधिनियम'' विषय पर सभा को संबोधित करते हैं श्री रवि एस मेनोन, ड्रग्स नियंत्रक, केरल राज्य ।

डॉ पूर्णलिंगम, भूतपूर्व संघ सचिव, 13 से 17 नवंबर 2017 तक एचएमए द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रापण प्रबंधन पर आयोजित पाँच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन कर रहे हैं। श्रीमती अनिता तंपी, सी ई ओ-एच एम ए और डॉ. मोहन दास एन. के. एंग्लोस्केप निदेशक भी देखे जाते हैं।

डॉ. आशा श्रीधर, आयुर्वेद अस्पताल, पूजप्पुरा 20 दिसंबर 2017 को निगमित मुख्यालय में कार्यस्थल पर लैगिक उत्पीडन निवारण समिति द्वारा आयोजित 'आयु से संबंधित स्त्री रोग' विषय पर भाषण देती हैं।

कॉर्पोरेट अनुसंधान एवं विकास केंद्र (सीआरडीसी), आक्कुलम में 1 दिसंबर, 2017 को एचएलएल प्रबंधन अकादमी (एचएमए) द्वारा आयोजित 'थिंक टैंक' भाषण श्रृंखला के सिलसिले में ''जैव विविधता हमारे जीवन, हमारे भविष्य'' विषय पर सभा को संबोधित करते हैं श्री के गंगाधरन, निदेशक, म्यूज़ियम और ज़ू विभाग, केरल सरकार।

एचएलएल के सीएसआर कार्यक्रम 'मई सिटी' के भाग के रूप में 28 दिसंबर 2017 को कवडियार बच्चों के पार्क में पी.एस.एन.एम, सरकारी हायर सेकन्टरी स्कूल के छात्रों के समर्थन के साथ एक स्वच्छता अभियान प्रारंभ किया गया।

भिलाई स्टील प्लांट में एचएलएल के अमृत फार्मसी का 114 वाँ आउटलेट का उद्घाटन करते हैं भिलाई स्टील प्लांट के सीईओ श्री एम.रवि।

एचएलएल निगमित मुख्यालय में 31 जनवरी 2018 को आयोजित कार्यक्रम में शैक्षिक वर्ष 2017 - 18 के लिए अकादमिक रूप में उत्कृष्ट छात्रों के लिए प्रतीक्षा छात्रवृत्ति पुरस्कार वितरित करते हुए श्री ई.ए.सुब्रमण्यन, निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन)।

श्रीमती निशांतिनी, आई पी एस, निर्भया राज्य समन्वयक, 7 मार्च, 2018 को एचएलएल पेरूरकडा फैक्टरी में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह का उद्घाटन कर रही हैं।

एचएलएल ने अपने 121 वीं अमृत फार्मेसी आउटलेट खोला, जिसका उद्घाटन 28 फरवरी 2018 को एनएलसीआईएल टाउनशिप, नेवेली में श्री आर विक्रमन, निदेशक मानव संसाधन, एनएलसी इंडिया लिमिटेड द्वारा किया गया।

कॉर्पोरेट अनुसंधान एवं विकास केंद्र (सीआरडीसी), आक्कुलम में 01 मार्च, 2018 को एचएलएल प्रबंधन अकादमी (एचएमए) द्वारा आयोजित 'थिंक टैंक' भाषण श्रृंखला के सिलसिले में ''व्यावसायिक नीति और स्वस्थ जीवन'' विषय पर सभा को संबोधित करते हैं श्री जे. हरीन्द्रन नायर, पंकजकस्तूरी के संस्थापक और प्रबंध निदेशक।

## संविधान की अष्टम अनुसूची में विनिर्दिष्ट की गई भाषाएं

| | | |
|---|---|---|
| 1.असमिया | 8.तेलुगु | 15.हिंदी |
| 2.उड़िया | 9.पंजाबी | 16.मणिपुरी |
| 3.उर्दु | 10.बंगला | 17.नेपाली |
| 4.कन्नड़ | 11.मराठी | 18.कोंकणी |
| 5.कश्मीरी | 12.मलयालम | 19.मैथिली |
| 6.गुजराती | 13.संस्कृत | 20.संथाली |
| 7.तमिल | 14.सिन्धी | 21.बोडो |
| | | 22.डोगरी |

## राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत द्विभाषी रूप में जारी किए जानेवाले दस्तावेज़

| | | |
|---|---|---|
| 1. | संकल्प | Resolution |
| 2. | सामान्य आदेश | General Order |
| 3. | नियम | Rules |
| 4. | अधिसूचना | Notification |
| 5. | प्रेस विज्ञप्तियाँ/टिप्पणियाँ | Press Communique/Releases |
| 6. | सरकारी कागज़ (संसद में प्रस्तुत रिपोर्टों के अलावा) | Official Paper (other than reports laid before a House or Houses of Parliament) |
| 7. | संविदा | Contract |
| 8. | करार | Agreement |
| 9. | अनुज्ञप्तियाँ | Licences |
| 10. | अनुज्ञा पत्र | Permits |
| 11. | सूचना | Notice |
| 12. | निविदा प्रारूप | Forms of Tender |
| 13. | विज्ञापन | Advertisement |
| 14. | संसद में प्रस्तुत प्रशासनिक और अन्य रिपोर्ट | Administrative or other reports laid before a House of Parliament |

| क्षेत्र 'क' | **REGION 'A'** |
|---|---|
| बिहार<br>झारखण्ड<br>हरियाणा<br>हिमाचल प्रदेश<br>छत्तीसगढ़<br>मध्य प्रदेश<br>राजस्थान<br>उत्तर प्रदेश<br>उत्तरांचल<br>अंडमान और निकोबार द्वीप<br>दिल्ली के संघ राज्य क्षेत्र | BIHAR<br>JHARKHAND<br>HARYANA<br>HIMACHEL PRADESH<br>CHATTISGARH<br>MADHYA PRADESH<br>RAJASTHAN<br>UTTAR PRADESH<br>UTTARANCHAL<br>ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS<br>UNION TERRITORY OF DELHI |
| क्षेत्र 'ख' | **REGION 'B'** |
| गुजरात<br>महाराष्ट्र<br>पंजाब<br>चंडीगढ़ | GUJARAT<br>MAHARASHTRA<br>PUNJAB<br>CHANDIGARH |
| क्षेत्र 'ग' | **REGION 'C'** |
| असम<br>आंध्रा प्रदेश<br>उड़ीसा<br>कर्नाटका<br>केरल<br>जम्मू &कश्मीर<br>तमिल नाडु<br>त्रिपुरा<br>नागालैण्ड<br>पश्चिम बंगाल<br>मणिपुर<br>मेघालय<br>सिक्किम<br>मिज़ोराम<br>गोवा<br>अरुणाचल प्रदेश<br>&<br>संघ राज्य क्षेत्र<br>दामन<br>ड्यू<br>दादर &नगरहवेली<br>पुतुच्चेरी<br>लक्षद्वीप | ASSAM<br>ANDRA PRADESH<br>ORISSA<br>KARNATAKA<br>KERALA<br>JAMMU & KASHMIR<br>TAMIL NADU<br>TRIPURA<br>NAGALAND<br>WEST BENGAL<br>MANIPUR<br>MEGHALAYA<br>SIKKIM<br>MIZORAM<br>GOA<br>ARUNACHAL PRADESH<br>&<br>UNIONTERRITORIES OF<br>DAMAN<br>DUE<br>DADAR & NAGARHAVELI<br>PUDUCHERRY<br>LEKSHADWEEP |

# हिंदी पाठ

## दोस्तों के बीच बातचीत

| | | |
|---|---|---|
| रवि/Ravi | : | नमस्ते/Good Morning |
| टोम/Tom | : | नमस्ते/Good Morning |
| रवि | : | शॉपिंग के लिए जायें। |
| Ravi | : | Let's go for shopping. |
| टोम | : | मुझे जाने की कोई इच्छा नहीं। |
| Tom | : | I do not have the mood to go. |
| रवि | : | तुम कहते हो कि शॉपिंग के लिए नहीं है ? तुम शॉपिंग पसंद करते हो न। |
| Ravi | : | You are saying no for shopping. You love shopping. |
| टोम | : | मैं आज कुछ उदास हूँ। |
| Tom | : | I am little depressed today. |
| रवि | : | मुझे विश्वास नहीं है। तुम जैसे सकारात्मक व्यक्ति उदास नहीं हो सकते। |
| Ravi | : | I do not believe. Such a positive person like you cannot be depressed. |
| टोम | : | सकारात्मक व्यक्ति भी उदास हो जाता है। यह स्वाभाविक है। |
| Tom | : | Even the positive persons get depressed. It is quite natural. |
| रवि | : | तुम उदास क्यों हो ? |
| Ravi | : | Why are you depressed ? |
| टोम | : | मैं अपना लक्ष्य प्राप्त करने में असमर्थ हो गया। |
| Tom | : | I was unable to hit my goal. |
| रवि | : | कौन सा लक्ष्य तुम प्राप्त करना चाहते हो ? |
| Ravi | : | Which goal did you want to achieve? |
| टोम | : | मैं ने ए बी सी कंपनी के साथ व्यवसाय का सौदा करना चाहा, पर नहीं कर सका। |
| Tom | : | I wanted to make a business deal with ABC Company but could not do. |
| रवि | : | भाग्य तुम्हारे साथ न था। |
| Ravi | : | So luck did not favour you. |
| टोम | : | मैं कठिन परिश्रम में विश्वास करने वाला हूँ, भाग्य में नहीं। |
| Tom | : | I am the person who believes in hard work not in luck. |
| रवि | : | तुम अपना लक्ष्य क्यों प्राप्त नहीं कर सके? |
| Ravi | : | Why could'nt you achieve your goal ? |
| टोम | : | मैं ने अपना लक्ष्य आसान समझा । |
| Tom | : | I took my goal lightly. |
| रवि | : | तुम्हारी भविष्य योजना क्या है ? |
| Ravi | : | What is your future plan ? |
| टोम | : | मैं अपनी गलतियों से सीखूँगा और अपना अगला लक्ष्य हासिल करूँगा। |
| Tom | : | I would learn from my mistake and would hit my next target. |
| रवि | : | लगता है, अब तुम सकारात्मक दशा में आ गए। तुम शॉपिंग जाने के लिए चाहते हो। |
| Ravi | : | Now you seem to be in positive mood again. Would you like to go for shopping ? |
| टोम | : | जी हाँ, शॉपिंग के लिए जाएं। |
| Tom | : | yes, Let's go for shopping. |

# साक्षात्कार

| | | |
|---|---|---|
| राम | : | नमस्कार, साहब। |
| Ram | : | Good morning Sir. |
| प्रबंधक | : | नमस्कार, बैठिए। |
| Manager | : | Good morning, please take your seat. |
| राम | : | धन्यवाद साहब। |
| Ram | : | Thank you Sir |
| प्रबंधक | : | आपका नाम क्या है ? |
| Manager | : | What is your name? |
| राम | : | मैं राम मेनोन। |
| Ram | : | I am Ram Menon. |
| प्रबंधक | : | आप कहाँ से है? |
| Manager | : | Where do you belong to ? |
| राम | : | मैं तिरुवनंतपुरम से हूँ। |
| Ram | : | I belong to Trivandrum. |
| प्रबंधक | : | आप अपना सभी प्रमाणपत्र लाए हैं? |
| Manager | : | Have you brought all your certificates? |
| राम | : | जी हाँ |
| Ram | : | Yes Sir |
| प्रबंधक | : | आपकी शैक्षिक योग्यता क्या है? |
| Manager | : | What is your academic qualification? |
| राम | : | मैं ने गणितशास्त्र में एम.एस सी पास किया है। |
| Ram | : | I have passed M.Sc in Maths. |
| प्रबंधक | : | आपको कितना प्रतिशत मिला है। |
| Manager | : | What percentage did you get? |
| राम | : | अस्सी प्रतिशत |
| Ram | : | 80 percentage |
| प्रबंधक | : | आप कंप्यूटर जानते हैं? |
| Manager | : | Do you know Computer? |
| राम | : | जी हाँ, मैं कंप्यूटर में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पास हुआ हूँ। |
| Ram | : | Yes sir, I have passed P.G.Diploma in Computer Application. |
| प्रबंधक | : | आपको कोई अनुभव है? |
| Manager | : | Have you got any experience ? |
| राम | : | मुझे कंप्यूटर प्रोग्रामर के रूप में चार सालों का अनुभव है। |
| Ram | : | I have four years experience as a computer programmer |
| प्रबंधक | : | ठीक है, मैं दो-तीन दिनों के अंतर आपको सूचना दूँगा। |
| Manager | : | Ok. I shall let you know with in two or three days. |
| राम | : | धन्यवाद साहब। |
| Ram | : | Thank you Sir. |

## कोर्सों के नाम हिंदी में

| | |
|---|---|
| Bachelor of Business | व्यवसाय प्रशासन स्नातक |
| Bachelor of Agriculture | कृषि स्नातक |
| Bachelor of Arts | कला स्नातक |
| Bachelor of Ayurvedic Medicine & Surgery | आयुर्वेद कायचिकित्सा तथा शल्य चिकित्सा स्नातक, आयुर्वेदाचार्य |
| Bachelor of Business Management | व्यवसाय प्रबंध स्नातक |
| Bachelor of Chemical Engineering | रसायन इंजीनियरी स्नातक |
| Bachelor of Civil Engineering | सिविल इंजीनियरी स्नातक |
| Bachelor of Commerce | वाणिज्य स्नातक |
| Bachelor of Engineering | इंजीनियरी स्नातक |
| Bachelor of Fishery Science | मत्स्य विज्ञान स्नातक |
| Bachelor of Home Science | गृह विज्ञान स्नातक |
| Bachelor of Homoeopathic Medicines and Surgery | होम्योपैथिक चिकित्सा एवं शल्य चिकित्सा स्नातक |
| Bachelor of Journalism & Mass communication | पत्रकारिता एवं जन संचार स्नातक |
| Bachelor of Laws | विधि स्नातक |
| Bachelor of Library and Information Science | पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान स्नातक |
| Bachelor of Music | संगीत स्नातक |
| Bachelor of Metallurgy | धातुकर्म स्नातक |
| Bachelor of Nursing | परिचर्या स्नातक |
| Bachelor of Occupational Therapy | व्यावसायिक चिकित्सा स्नातक |
| Bachelor of Pharmacy | भेषजी स्नातक |
| Bachelor of Physical Education | शारीरिक शिक्षा स्नातक |
| Bachelor of Physiotherapy | भौतिक चिकित्सा स्नातक |
| Bachelor of Rural Studies | ग्रामीण अध्ययन स्नातक |
| Bachelor of Science | विज्ञान स्नातक |
| Bachelor of Veterinary Science | पशुचिकित्सा विज्ञान स्नातक |

| | |
|---|---|
| Bachelor of Science in Agriculture and Animal Husbandry | कृषि तथा पशुपालन विज्ञान स्नातक |
| Bachelor of Social work | समाज कार्य स्नातक |
| Bachelor of Teaching | अध्यापन स्नातक |
| Bachelor of Technology | प्रौद्योगिकी स्नातक |
| Bachelor of Tele-Communication Engineering | दूरसंचार इंजीनियरी स्नातक |
| Bachelor of Yoga & Naturopathy | योग और प्राकृतिक चिकित्सा स्नातक |
| Bachelor of Textiles Technology | वस्त्र प्रौद्योगिकी स्नातक |
| Bachelor of Theatre Arts | रंग कला स्नातक |
| Bachelor of Visual Art | दृश्यकला स्नातक |
| Diploma in Anaesthesia | संज्ञाहरण डिप्लोमा |
| Diploma in Automobile Engineering | मोटर यान इंजीनियरी डिप्लोमा |
| Diploma in Aviation Medicine | विमानन चिकित्सा डिप्लोमा |
| Diploma in Child Health | शिशु स्वास्थ्य डिप्लोमा |
| Diploma in Labour Welfare | श्रम कल्याण डिप्लोमा |
| Diploma in Library Science | पुस्तकालय विज्ञान डिप्लोमा |
| Diploma in Maternity and Child Welfare | प्रसूति एवं बाल कल्याण डिप्लोमा |
| Diploma in Medical Laboratory Technology | चिकित्सा प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी डिप्लोमा |
| Diploma in Medical Pathology and Bacteriology | चिकित्सा विकृतिविज्ञान एवं जीवाणुविज्ञान डिप्लोमा |
| Diploma in Medical Psychology | चिकित्सा मनोविज्ञान डिप्लोमा |
| Diploma in Medical Radiology | चिकित्सीय विकिरण विज्ञान डिप्लोमा |
| Diploma in Ophthalmology | नेत्रविज्ञान डिप्लोमा |
| Diploma in Orthopaedics | विकलांग विज्ञान डिप्लोमा |
| Diploma in Paediatrics | बालचिकित्सा डिप्लोमा |
| Diploma in painting | चित्रकला डिप्लोमा |
| Diploma in Public Health | जन स्वास्थ्य डिप्लोमा |
| Diploma in Teaching | अध्यापन डिप्लोमा |
| Diploma in Yoga and Naturopathy | योग और प्राकृतिक चिकित्सा डिप्लोमा |
| Doctor of Education | शिक्षा वाचस्पति |
| Doctor of Law | विधि वाचस्पति |
| Doctor of Science | विज्ञान वाचस्पति |

| | |
|---|---|
| Doctor of Medicine | आयुर्विज्ञान वाचस्पति |
| Master of Agricultural Marketing Management | कृषि विपणन प्रबंधन निष्णात |
| Master of Applied Sociology | अनुप्रयुक्त समाजशास्त्र निष्णात |
| Master of Architecture | वास्तुकला निष्णात |
| Master of Arts | कला निष्णात |
| Master of Business Administration | व्यवसाय प्रशासन निष्णात |
| Master of Chemical Engineering | रसायन इंजीनियरी निष्णात |
| Master of Commerce | वाणिज्य निष्णात |
| Master of Mass Communication & Journalism | जन संचार एवं पत्रकारिता निष्णात |
| Master of Computer Applications | कंप्यूटर अनुप्रयोग निष्णात |
| Master of Fine Arts | ललित कला निष्णात |
| Master of Dental Surgery | दंत शल्य चिकित्सा निष्णात |
| Master of Fisheries Science | मत्स्य विज्ञान निष्णात |
| Master of Higher Education | उच्च शिक्षा निष्णात |
| Master of Home Science | गृहविज्ञान निष्णात |
| Master of Rural Studies | ग्रामीण अध्ययन निष्णात |
| Master of Textiles | वस्त्र विज्ञान निष्णात |
| P.G. Diploma in Human Rights | मानवाधिकार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा |
| P.G. Diploma in Insurance | बीमा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा |
| P.G. Diploma in Operations Research | संक्रिया विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा |
| P.G. Diploma in Personnel Management | कार्मिक प्रबंधन में स्नातकोत्तर |
| P.G. Diploma in Tourism | पर्यटन में डिप्लोमा |
| P.G. Diploma in Translation | अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा |
| P.G. Diploma in Pharmaceutical Marketing | भेषज विपणन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा |

# पुरस्कार वितरण

केरल के सम्माननीय पोर्ट मंत्री श्री रामचंद्रन कडन्नप्पल्ली एचएलएल के कर्मचारियों के बच्चों और कर्मचारियों को विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरित करते हैं।

एचएलएल बायोटेक लिमिटेड (एचबीएल) हरेक भारतीय के लिए किफायती मूल्य पर सुरक्षित एवं प्रभावी वैक्सीन प्रदान करके भविष्य की पीढी को सुरक्षित करता है। एचबीएल चेन्नै के पास चेंकलपेट के अपने कैंपस में राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के लिए वैक्सीनों का उत्पादन करने और अन्य नयी पीढी के वैक्सीनों के लिए प्रीमियम सुविधा संस्थापित करने को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के साथ साझेदारी कर रहा है।

टैसिल बायोपार्क कैंपस ( मोड्यूल # 013-015), सीएसआईआर रोड , तारामणि, चेन्नै – 600 133
टेलिः अ 91 44-22 55 423/33 पूछताछ @hllbiotech.com visit: www.hllbiotech.com

HBL
Protecting lives

# नो
# स्टेरॉइड
# नो
# साइड इफ़ेक्ट्स

## **सहेली** गर्भनिरोधक गोली

कॉल करें टॉल फ़्री नं:

1800 425 3223

Disclaimer: Saheli only claims to not cause side effects generally associated with hormonal pills like facial hair growth, weight gain, nausea, vomiting, headache etc. However, few may experience a delay in their menstrual cycle.